अवैध रेत खनन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **मध्य प्रदेश में अवैध रूप से खनन की गई रेत** का परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर ने एक पुलिस अधिकारी को टक्कर मार दी थी।

मुख्य बिंदु:

- मध्य प्रदेश में अवैध रेत खनन बड़े पैमाने पर हो रहा है, **सोन नदी** के किनारे से सैकड़ों डंपर रेत का परिवहन कर रहे हैं।
- रेत खनन बाद के प्रसंस्करण के लिये मूल्यवान खनिजों, धातुओं, कुचला हुआ पत्थर, रेत और बजरी को निकालने के लिये प्राकृतिक पर्यावरण (स्थलीय, नदी, तटीय या समुद्री) से **प्राथमिक प्राकृतिक रेत एवं रेत संसाधनों** (खनिज रेत और समुच्चय) को हटाना है।
- विभिन्न कारकों से प्रेरित यह गतिविधि **पारिस्थितिक तंत्र और समुदायों के लिये गंभीर खतरा** उत्पन्न करती है।

सोन नदी

- सोन नदी, **मध्य भारत की एक चिरस्थायी नदी है** और गंगा की दूसरी सबसे बड़ी दक्षिणी सहायक नदी है।
- **छत्तीसगढ़ में अमरकंटक पहाड़ी** के पास से निकलकर, यह छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार से होकर बहती है तथा अमरकंटक पठार पर जलप्रपात बनाती है।
  - यह बिहार के पटना के निकट गंगा में मिल जाती है।
- सहायक नदियों में घाघर, जोहिला, छोटी महानदी, बनास, गोपद, रिहंद, कन्हर और उत्तरी कोएल नदी शामिल हैं।
- प्रमुख बाँधों में **मध्य प्रदेश में बाणसागर बाँध और उत्तर प्रदेश में पिपरी के पास रिहंद बाँध** शामिल हैं।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/illegal-sand-mining-4